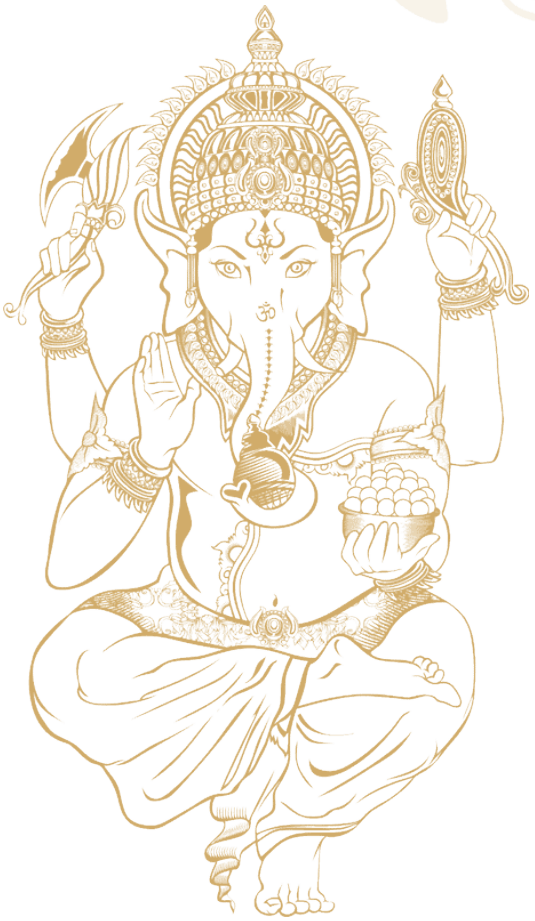

Mr.

Mrs.

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121648101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121648101 Date: 19/03/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
2-03/11/1999	जन्म तिथि	24-25/06/2003
मंगल-बुधवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 01:05:00	जन्म समय	02:00:00 घंटे
घटी 46:13:22	जन्म समय(घटी)	51:30:41 घटी
India	देश	India
Panipat	स्थान	Jagadhri
29:24:00 उत्तर	अक्षांश	30:11:00 उत्तर
76:58:00 पूर्व	रेखांश	77:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:08	स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:35:39	सूर्योदय	05:20:29
17:35:37	सूर्यास्त	19:25:39
23:51:02	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:06

सिंह	लग्न	मेष
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
सिंह	राशि	मेष
सूर्य	राशि-स्वामी	मंगल
पू०फाल्गुनी	नक्षत्र	भरणी
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
1	चरण	1
ब्रह्म	योग	सुकर्मा
विष्टि	करण	बव
मो-मोहन	जन्म नामाक्षर	ली-लीना
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
वनचर	वश्य	चतुष्पाद
मूषक	योनि	गज
मनुष्य	गण	मनुष्य
मध्य	नाड़ी	मध्य
मूषक	वर्ग	मृग

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 18वर्ष 1मा 15दि		03:25:15	सिंह	लग्न	मेष	14:20:52	शुक्र 18वर्ष 1मा 20दि	
चन्द्र		16:04:42	तुला	सूर्य	मिथु	09:00:48	सूर्य	
18/12/2023		14:35:01	सिंह	चंद्र	मेष	14:34:23	14/08/2021	
18/12/2033		18:25:21	धनु	मंगल	कुंभ	09:11:36	15/08/2027	
चन्द्र	17/10/2024	07:31:05	वृश्चि	बुध	वृष	26:37:16	सूर्य	02/12/2021
मंगल	18/05/2025	04:44:05	मेष व	गुरु	कर्क	22:53:00	चन्द्र	03/06/2022
राहु	17/11/2026	29:36:56	सिंह	शुक्र	वृष	24:01:22	मंगल	08/10/2022
गुरु	18/03/2028	20:09:11	मेष व	शनि	मिथु	08:46:42	राहु	02/09/2023
शनि	18/10/2029	14:39:09	कर्क व	राहु	वृष	05:14:47	गुरु	20/06/2024
बुध	19/03/2031	14:39:09	मक व	केतु	वृश्चि	05:14:47	शनि	02/06/2025
केतु	18/10/2031	19:03:34	मक	हर्ष व	कुंभ	08:47:48	बुध	09/04/2026
शुक्र	18/06/2033	07:50:46	मक	नेप व	मक	18:52:52	केतु	15/08/2026
सूर्य	18/12/2033	15:21:20	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	24:18:29	शुक्र	15/08/2027

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:51:02 चित्रपक्षीय अयनांश 23:54:06

लग्न-चलित

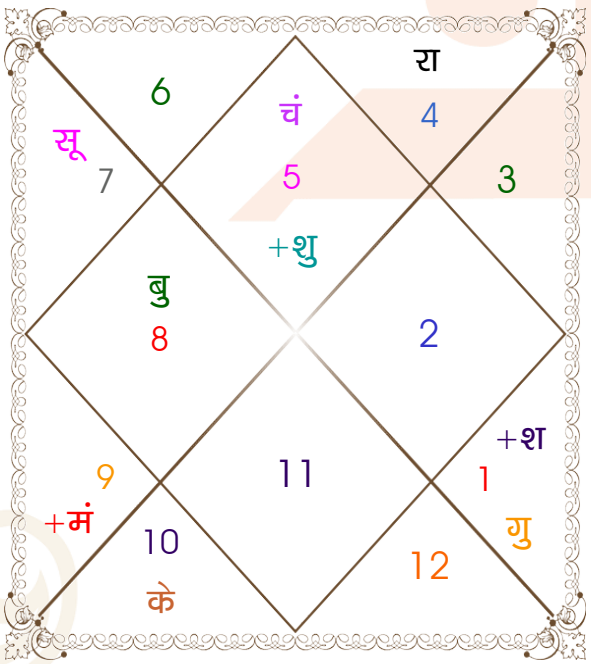

लग्न-चलित

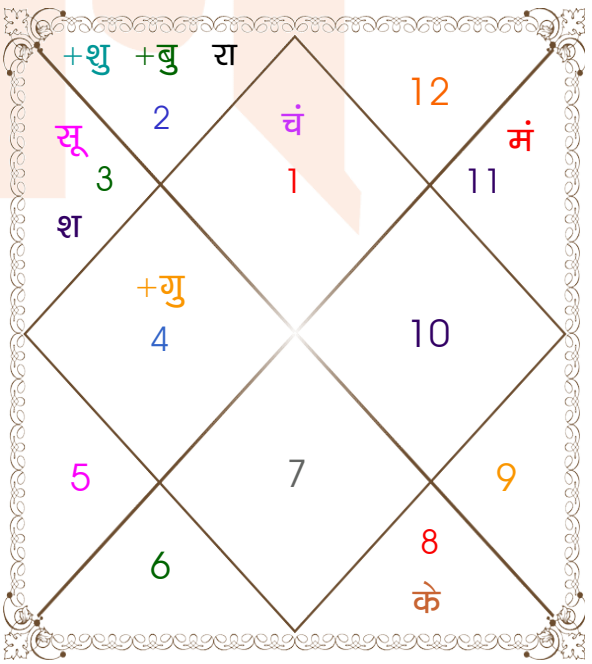

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	चतुष्पाद	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

कुल : **18 / 36**

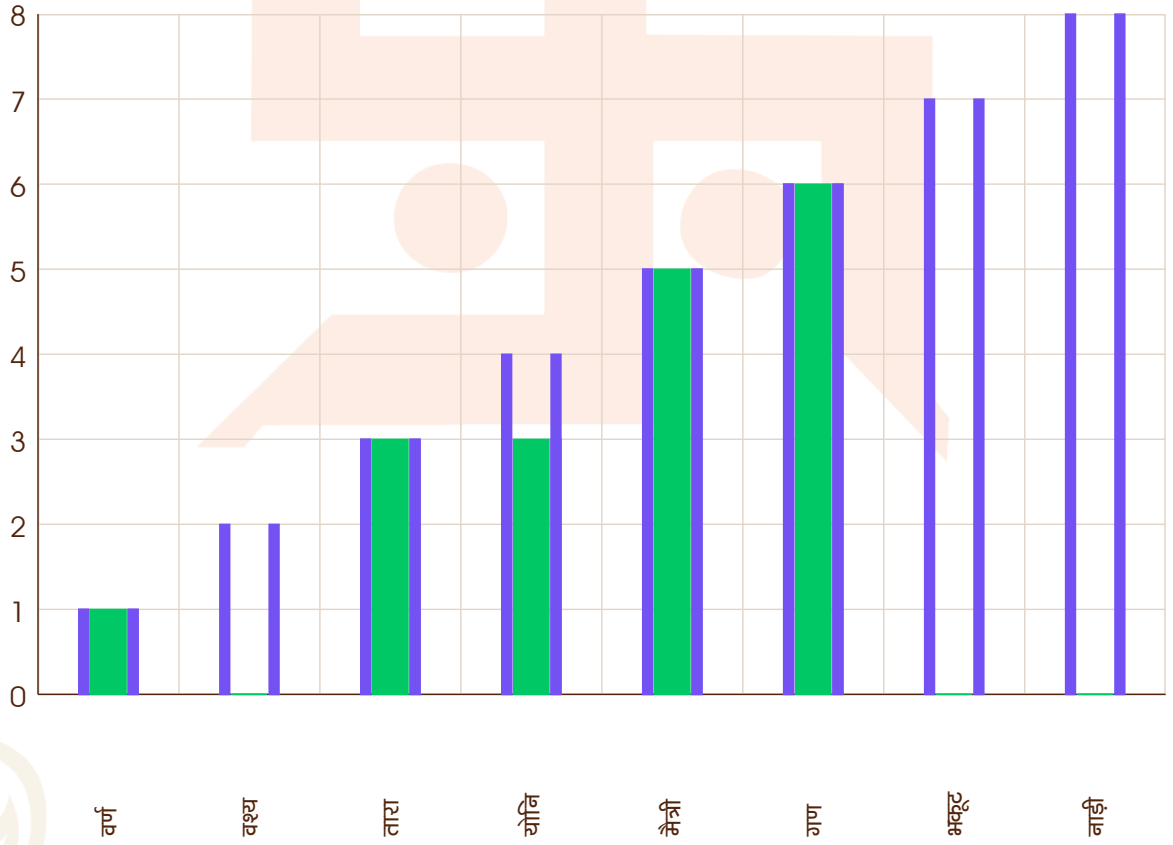

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Mr. का वर्ग मूषक है तथा डतेण का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और डतेण का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Mrs. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Mr. तथा डतेण में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. का वर्ण क्षत्रिय तथा डतेण का वर्ण भी क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों ही दम्पत्ति अति ऊर्जावान, साहसी, उद्यमी होंगे साथ ही दोनों एक-दूसरे के साथ सद्भाव एवं प्रेम से जीवन बितायेंगे। इसके अतिरिक्त समय-समय पर एक-दूसरे की सहायता से सुखी एवं समृद्ध परिवार का निर्माण करने में योगदान देते रहेंगे।

वश्य

Mr. का वश्य वनचर है एवं डतेण का वश्य चतुष्पद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। वनचर हमेशा चतुष्पद के लिए खतरा होता है। जब भी वनचर को मौका मिलता है वह चतुष्पद को अपना शिकार बना लेता है। वनचर Mr. एवं चतुष्पद डतेण का विवाह अच्छा साबित होने में संदेह है। Mr. निर्दयी, क्रूर, वर्चस्वशाली एवं चतुर होगा तथा अपनी पत्नी को नौकरानी की भांति समझेगा। वह डतेण को नीचा दिखाने का कोई अवसर नहीं चूकेगा। अक्सर वह अपनी पत्नी के साथ क्रूर व्यवहार कर सकता है तथा संभव है डतेण को अक्सर उसका दुर्व्यवहार सहना पड़े।

तारा

Mr. की तारा जन्म तथा डतेण की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Mr. की योनि मूषक है तथा डतेण की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

Pt.Rahul Sharma
Mandkheri Chhachhrauli Yamunanagar
9050059649,9996076834
rs96531@gmail.com

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. एवं डतेण दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr. एवं डतेण के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mr. एवं डतेण जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Mr. का गण मनुष्य तथा डतेण का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

Mr. से डतेण की राशि नवम भाव में स्थित है तथा डतेण से Mr. की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। Mr. की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

Mr. की नाड़ी मध्य है तथा डतेण की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में Mr. एवं डतेण का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त सिंह तथा डतेण की भी अग्नितत्व युक्त मेष राशि है। अग्नितत्व में समानता होने के कारण Mr. और डतेण की परस्पर स्वाभाविक समानता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन शांति पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Mr. की जन्म राशि का स्वामी सूर्य तथा डतेण की राशि का स्वामी मंगल दोनों परस्पर मित्र राशियों में स्थित हैं। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने के लिए यह स्थिति सुखद रहेगी। इसके प्रभाव से Mr. और डतेण एक दूसरे के गुणों से आकर्षित रहेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। साथ ही एक दूसरे के प्रति सम्मान जनक समर्पण की भावना रहेगी तथा एक दूसरे के आस्तित्व को पूर्ण स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त Mr. और डतेण एक दूसरे का पूर्ण ध्यान रखेंगे जिससे परस्पर गहन मित्रता का भाव बना रहेगा।

Mr. और डतेण की राशियां परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती है। इसके प्रभाव से दोनों के मन में यदा कदा एक दूसरे के प्रति ईर्ष्या की भावना उत्पन्न होगी तथा अभिमान के भाव में भी प्रबलता आएगी फलतः परस्पर वैमनस्य के भाव की उत्पति होगी। इससे दाम्पत्य जीवन में अशांति तथा असुविधा का Mr. और डतेण को सामना करना पड़ेगा। यदि Mr. और डतेण उपरोक्त भावनाओं का यत्न पूर्वक परित्याग कर सकें तो उनके जीवन में खुशी तथा शांति बनी रह सकती है।

Mr. का वश्य वनचर तथा डतेण का वश्य चतुष्पद है। नैसर्गिक रूप से वनचर एवं चतुष्पद में असमानता का भाव होता है अतः Mr. और डतेण की अभिरूचियां अलग अलग होंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे को काम चेष्टाओं में भी प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Mr. और डतेण दोनों का वर्ण क्षत्रिय है। अतः दोनों की कार्य क्षमता बराबर रहेगी तथा पराक्रमी एवं साहसी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे जिससे कार्य क्षेत्र में सुदृढ़ता रहेगी।

धन

Mr. और डतेण का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Mr. और डतेण सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Mr. को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ

होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr. और डतेण दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इन दोनों पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों का स्वास्थ्य प्रभावित होगा। इससे Mr. और डतेण दोनों उदर संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे जिससे लीवर विशेष प्रभावित रहेगा। परन्तु मंगल का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः इससे कष्ट की गंभीरता में न्यूनता आएगी परन्तु सामान्य कष्ट वे समय समय पर प्राप्त करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस दोष के प्रभाव से Mr. को धातु संबंधी तथा डतेण को मासिक धर्म संबधी परेशानी हो सकती है। अतः उत्तम वैवाहिक दृष्टि से यह मिलान अनुकूल नहीं होगा जिससे यत्नपूर्वक इसकी उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr. और डतेण का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr. और डतेण के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डतेण के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डतेण को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डतेण को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr. और डतेण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr. और डतेण का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Mrs. के सास से संबधों में मधुरता के भाव की सामान्यतया न्यूनता ही रहेगी तथा अपनी सास के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उनको काफी कठिनाई तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। अतः उनसे संबधों में मधुरता लाने के लिए डतेण को धैर्य तथा बुद्धिमता का परिचय देना चाहिए तथा अपने समस्त कार्य कलापों को सक्रियता से सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही ससुर से भी डतेण को समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी तथा उन्हें प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ननद एवं देवरों से भी डतेण

के संबधों में तनाव का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी फलतः परस्पर प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार डतेण का ससुराल के लोगों से अच्छे संबध नहीं रहेंगे जिससे यदा कदा वे असुविधा की अनुभूति कर सकती हैं।

ससुराल-श्री

Mr. के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Mr. अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Mr. के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Mr. के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।